# सत्र (2025-26) वार्षिक पाठ्यक्रम XI- अर्थशास्त्र (030)

## भाग क- अर्थशास्त्र के लिए सांख्यिकी

इस पाठ्यक्रम में, विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे विभिन्न सरल आर्थिक पहलुओं से संबंधित मात्रात्मक और गुणात्मक जानकारी के संग्रह, संगठन और प्रस्तुति में कौशल प्राप्त करें। इसका उद्देश्य किसी भी आर्थिक जानकारी का विश्लेषण और व्याख्या करने तथा उचित निष्कर्ष निकालने के लिए कुछ आधारभूत सांख्यिकीय उपकरण प्रदान करना भी है। इस प्रक्रिया में, विद्यार्थियों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे विभिन्न आर्थिक आंकड़ों के व्यवहार को समझें।

**इकाई 1: परिचय**
अर्थशास्त्र क्या है?
अर्थशास्त्र में सांख्यिकी का अर्थ, क्षेत्र कार्य और महत्व

**इकाई 2:**
**आंकड़ों का संग्रहण, संगठन और प्रस्तुतिकरण:**

**1. आंकड़ों का संग्रह:** आंकड़ों के स्रोत-प्राथमिक और द्वितीयक; प्रतिदर्श की अवधारणा के साथ आधारभूत आँकड़े कैसे एकत्र किए जाते है; आँकड़े एकत्र करने की विधियाँ; द्वितीयक आंकड़ों के कुछ महत्वपूर्ण स्रोत; भारत की जनगणना और राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन.

**2. आंकड़ों का संगठन**: चर के अर्थ और प्रकार; आवृत्ति वितरण।

**3. आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण** :

(i)आंकड़ों का सारणीयन प्रस्तुति
(ii) आरेखीय प्रस्तुतीकरण (दण्ड आरेख और वृत्त आरेख)
(iii) आवृत्ति/ बारंबारता आरेख/ ग्राफ़िय प्रस्तुति (आयात चित्र, बहुभुज और तोरण)
(iv)अंकगणितीय रेखा ग्राफ (काल श्रेणी आरेख)

**इकाई 3: सांख्यिकीय उपकरण और निर्वचन**
सभी संख्यात्मक समस्याओं और समाधानों के लिए, उचित आर्थिक व्याख्या का प्रयास किया जा सकता है। इसका अर्थ है कि विद्यार्थियों को समस्याओं को हल करने और प्राप्त परिणामों के लिए व्याख्या प्रदान करने की आवश्यकता है।
**केंद्रीय प्रवृत्ति के माप :** अंकगणितीय माध्य

## भाग ख: व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय

**इकाई 4:**
**परिचय**
व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र का अर्थ; सकारात्मक और आदर्शात्मक अर्थशास्त्र,
अर्थव्यवस्था क्या है? किसी अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्याएं: क्या, कैसे और किसके लिए उत्पादन किया जाए; उत्पादन संभावना वक्र और अवसर लागत की अवधारणाएँ।

**इकाई 5:**
**उपभोक्ता का संतुलन एवं मांग :**
उपभोक्ता का संतुलन: उपयोगिता का अर्थ, सीमांत उपयोगिता, ह्रासमान सीमांत उपयोगिता का नियम, सीमांत उपयोगिता विश्लेषण का प्रयोग कर उपभोक्ता के संतुलन की शर्तें।
उपभोक्ता के संतुलन का अनधिमान वक्र विश्लेषण: उपभोक्ता का बजट (बजट सेट और बजट रेखा), उपभोक्ता की प्राथमिकताएं ( अनधिमान वक्र, अनधिमान मानचित्र) और उपभोक्ता के संतुलन की शर्तें।
माँग: मांग, बाजार मांग, मांग के निर्धारक तत्व, मांग अनुसूची, मांग वक्र और उसकी प्रवणता, मांग वक्र में संचलन और खिसकाव।
माँग की कीमत लोच: मांग की कीमत लोच को प्रभावित करने वाले कारक; मांग की कीमत लोच का माप - प्रतिशत-

परिवर्तन विधि और कुल व्यय विधि।

**इकाई 6:**
**उत्पादक व्यवहार और पूर्ति**
उत्पादन फलन का अर्थ: अल्पकालिक और दीर्घकालिक
कुल उत्पाद, औसत उत्पाद और सीमांत उत्पाद,
कारक के प्रतिफल।

**मध्यावधि पाठ्यक्रम 06 सितंबर 2025 तक पूर्ण करना होगा**

**मध्यावधि परीक्षा की तैयारी**

**मध्यावधि परीक्षा 2025-26**

**मध्यावधि प्रश्न पत्र की चर्चा**

## भाग क - अर्थशास्त्र के लिए सांख्यिकी

**इकाई 3: सांख्यिकीय उपकरण और निर्वचन**
**केंद्रीय प्रवृत्ति के माप** - माध्यिका तथा बहुलक

**सह - संबंध** - अर्थ और गुण, प्रकीर्ण आरेख; सहसंबंध के माप - कार्ल पियर्सन की विधि (दो चर अवर्गीकृत आंकड़े) स्पीयरमैन का कोटि सहसंबंध (अनावृत्ति रैंक और आवृत्ति रैंक)।

**सूचकांक** - अर्थ, प्रकार - थोक मूल्य सूचकांक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक, सूचकांक संख्याओं का उपयोग; मुद्रास्फीति और सूचकांक संख्या, सरल समग्र विधि।

## भाग ख: व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय

**इकाई 6: उत्पादक व्यवहार और पूर्ति**
लागत**:** अल्पावधि लागत - कुल लागत, कुल स्थिर लागत, कुल परिवर्ती लागत; औसत लागत; औसत स्थिर लागत, औसत परिवर्ती लागत और सीमांत लागत-अर्थ और उनके संबंध।
आगम: - कुल आगम, औसत आगम और सीमांत आगम - अर्थ और उनके संबंध।
उत्पादक का संतुलन- सीमांत आगम - सीमांत लागत के संदर्भ में अर्थ और इसकी शर्तें।
पूर्ति, बाज़ार पूर्ति, पूर्ति के निर्धारक तत्व, पूर्ति अनुसूची, पूर्ति वक्र और उसकी प्रवणता, पूर्ति वक्र में संचलन और खिसकाव।
पूर्ति की कीमत लोच - पूर्ति की कीमत लोच का माप - प्रतिशत विधि।

**इकाई 7:**
**पूर्ण प्रतियोगिता बाजार और सरल अनुप्रयोगों के साथ मूल्य निर्धारण :**
पूर्ण प्रतियोगिता - विशेषताएँ; बाजार संतुलन का निर्धारण और मांग और पूर्ति में खिसकाव के प्रभाव (केवल अल्पकाल में)।
मांग और पूर्ति के सरल अनुप्रयोग: उच्चतम कीमत निर्धारण , निम्नतम कीमत निर्धारण।

## भाग ग: अर्थशास्त्र में परियोजना:

## परियोजनाओं की सुझावात्मक सूची: कक्षा XI

- विभिन्न सरकारी नीतियों के कारण उत्पादन सम्भावना वक्र पर प्रभाव
- अदृश्य हाथ ( एडम स्मिथ)

- एक आर्थिक उपकरण के रूप में अवसर लागत (वास्तविक जीवन की स्थितियों को लेते हुए)
- एक स्थानापन्न वस्तु पर मूल्य परिवर्तन का प्रभाव (स्थानीय बाजार में वास्तविक जीवन से कीमतें लेते हुए)
- स्थानीय बाजार में संतुलन कीमतों पर प्रभाव (वास्तविक जीवन की स्थिति या हाल की स्थिति को ध्यान में रखते हुए)।
- पूरक वस्तु पर मूल्य परिवर्तन का प्रभाव (स्थानीय बाजार में जाकर वास्तविक जीवन से कीमतें लेते हुए)
- सौर ऊर्जा, पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के साथ एक लागत प्रभावी तुलना,
- बम्पर उत्पादन- किसान के लिए वरदान या अभिशाप
- किसी अन्य समाचार पत्र का लेख और उसका आर्थिक सिद्धांतों के आधार पर मूल्यांकन
- अन्य कोई प्रासंगिक विषय

**निर्धारित पुस्तकें:**

1. अर्थशास्त्र के लिए सांख्यिकी, NCERT

2. व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय, NCERT

**31 जनवरी 2026 तक पाठ्यक्रम पूर्ण करना होगा**
**वार्षिक परीक्षा संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होगी**
**वार्षिक परीक्षा 2025-26**

**किसी भी अन्य जानकारी के लिए कृपया सीबीएसई दिशानिर्देश देखें**

https://cbseacademic.nic.in

## अर्थशास्त्र (विषय कोड 030)
## कक्षा - XI(2025-26)

**लिखित: 80**
**परियोजना: 20** **3 घंटे**

| इकाई | | अंक |
|---|---|---|
| **भाग क** | **अर्थशास्त्र में सांख्यिकी** | |
| | परिचय | 15 |
| | आंकड़ों का संग्रह, संगठन तथा प्रस्तुतिकरण | |
| | सांख्यिकीय उपकरण और निर्वचन | 25 |
| | | **40** |
| | | |
| **भाग ख** | **व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय** | |
| | परिचय | 04 |
| | उपभोक्ता का संतुलन एवं मांग | 14 |
| | उत्पादक व्यवहार और पूर्ति | 14 |
| | पूर्ण प्रतियोगिता बाजार और सरल अनुप्रयोगों के साथ मूल्य निर्धारण | 08 |
| | | **40** |
| | | |
| **भाग ग** | परियोजना कार्य | **20** |